कारपोरेट क्षेत्र संबंधी मासिक सूचना बुलेटिन

फरवरी, 2015

भारत सरकार
कारपोरेट कार्य मंत्रालय
5वां तल, ए-विंग, शास्त्री भवन,
डॉ. आर.पी. रोड, नई दिल्ली-110001.

प्रमुख उपलब्धियां

I 28 फरवरी, 2015 तक पंजीकृत कंपनियां

1. 28 फरवरी, 2015 की स्थिति के अनुसार देश में कुल 1,452,243 कंपनियां पंजीकृत थीं। इनमें से 266,401 कंपनियां बंद हो गईं; 151 कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार निष्क्रिय दर्जा दिया गया; 139,507 कंपनियों ने लगातार तीन वर्षों से अपनी सांविधिक वार्षिक फाइलिंग नहीं की है; 5,276 कंपनियां समापनाधीन थीं; 23,148 कंपनियों का नाम रजिस्टर से हटाने की कार्रवाई चल रही थी और 184 कंपनियों को पुन: सक्रिय करने की कार्रवाई चल रही थी। उपर्युक्त को देखते हुए 28 फरवरी, 2015 तक 1,017,576 सक्रिय कंपनियां थीं।

2. 266,401 बंद कंपनियों में से 10,264 कंपनियों का समापन/विघटन किया गया; 2,37,668 कंपनियां निष्क्रिय थीं (अत: नाम हटा दिया गया) ; 15,238 कंपनियों का अन्य कंपनियों के साथ समामेलन/विलय किया गया; 3,231 कंपनियों का विघटन करके एलएलपी में परिवर्तित किया गया। **तालिका 1.1** में 28 फरवरी, 2015 तक की कंपनियों की स्थिति संक्षेप में दशाई गई है।

3. 28 फरवरी, 2015 तक सक्रिय कंपनियों के प्राधिकृत पूंजीवार वितरण **(तालिका 1.2)** में दर्शाया गया है कि लगभग 65.67 प्रतिशत कंपनियों (668,269) में प्रत्येक की प्राधिकृत पूंजी 10 लाख रूपए से कम या इसके बराबर है और लगभग 2.13 प्रतिशत कंपनियों (21,659) प्रत्येक की प्राधिकृत पूंजी 10 करोड़ रूपए से अधिक है।

4. पंजीकृत कंपनियों के राज्य/संघ शासित क्षेत्रवार वितरण से पता चलता है कि महाराष्ट्र में कंपनियों की संख्या सर्वाधिक (293,407) है और इसके बाद दिल्ली (271,185) तथा पश्चिम बंगाल (184,630) है। इसी प्रकार 28 फरवरी, 2015 तक 'सक्रिय कंपनियों' में महाराष्ट्र में सर्वाधिक सक्रिय कंपनियां (214,528) हैं और इसके बाद दिल्ली (196,536) तथा पश्चिम बंगाल (137,169) सक्रिय कंपनियां हैं **(तालिका 1.3)**।

5. सक्रिय कंपनियों के आर्थिक कार्यकलापवार वर्गीकरण से पता चलता है कि सर्वाधिक कंपनियां व्यापार सेवा से संबंधित हैं। (2.52 लाख) जिसके बाद विनिर्माण (2.15 लाख), व्यवसाय (1.50 लाख) और निर्माण क्षेत्र में (1.07 लाख) कंपनियां हैं। व्यापार सेवा में सूचना प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं विकास तथा अन्य व्यापार कार्यकलाप (जैसे विधि, लेखा परीक्षा और लेखाकारिता एवं परामर्श आदि) शामिल हैं **(तालिका 1.4 और चार्ट 1.1)**।

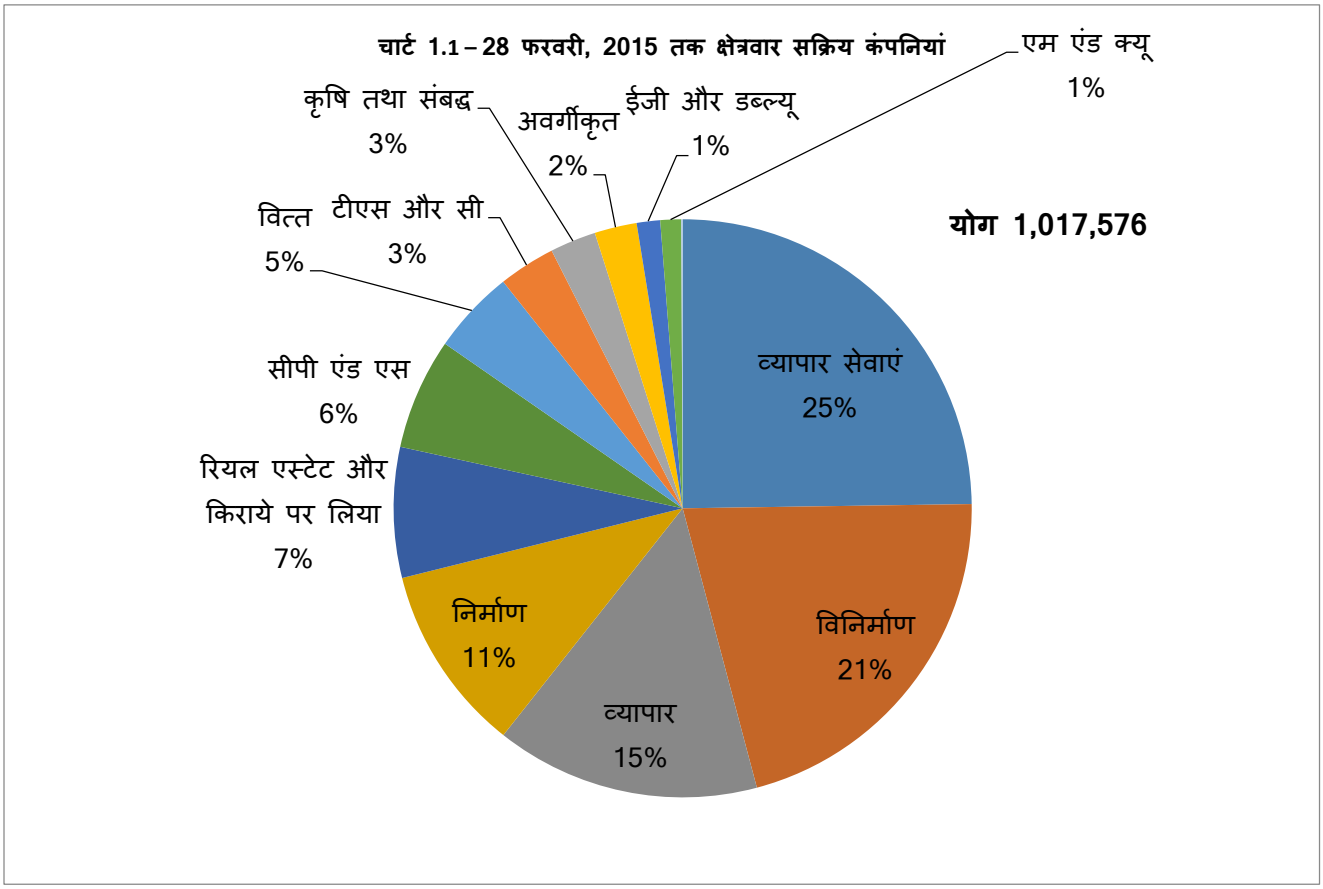

एम एंड क्यू - खनन एवं उत्खनन, ईजी एंड डब्ल्यू - विद्युत, गैस और पानी, टीएस एंडी सी - परिवहन, भंडारण एवं संचार, सीपी एंड एस - समुदाय, वैयक्तिक एवं सामाजिक सेवाएं। 24,053 सक्रिय कंपनियों (अवर्गीकृत श्रेणी) के पास अमान्य आर्थिक कार्यकलाप (एनआईसी-2004) कोड है।

II **एकल व्यक्ति कंपनी**

6. 28 फरवरी, 2015 तक कुल 1,953 एकल व्यक्ति कंपनियां 44.83 करोड़ रूपए की सामूहिक प्राधिकृत पूंजी के साथ पंजीकृत की गईं। 28 फरवरी, 2015 तक एकल व्यक्ति कंपनियों का आर्थिक कार्यकलापवार वर्गीकरण दर्शाता है कि अधिकतम एक व्यक्ति कंपनियां व्यापार सेवाओं (1,063) में हैं और इसके बाद समुदाय, वैयक्तिक एवं सामाजिक सेवाएं (302), स्थावर संपदा और किराया (168) और विनिर्माण (157) हैं **(चार्ट 2.1)।** फरवरी, 2015 के दौरान 6.30 करोड़ रूपए की प्राधिकृत पूंजी के साथ कुल 243 एकल व्यक्ति कंपनियां पंजीकृत की गईं। इस माह के दौरान एकल व्यक्ति कंपनियों का आर्थिक कार्यकलापवार वर्गीकरण दर्शाता है कि अधिकतम 122 एकल व्यक्ति कंपनियां व्यापार सेवाओं में पंजीकृत की गईं और समुदाय, वैयक्तिक एवं सामाजिक सेवाओं में 55, विनिर्माण में 20 कंपनियां

थीं **(तालिका 2.1)**। फरवरी, 2015 के दौरान सर्वाधिक 46 एकल व्यक्ति कंपनियां दिल्ली में (18.93%), महाराष्ट्र में 42 (17.28%) और उत्तरप्रदेश में 33 (13.58%) पंजीकृत की गईं। **(तालिका 6.1)**

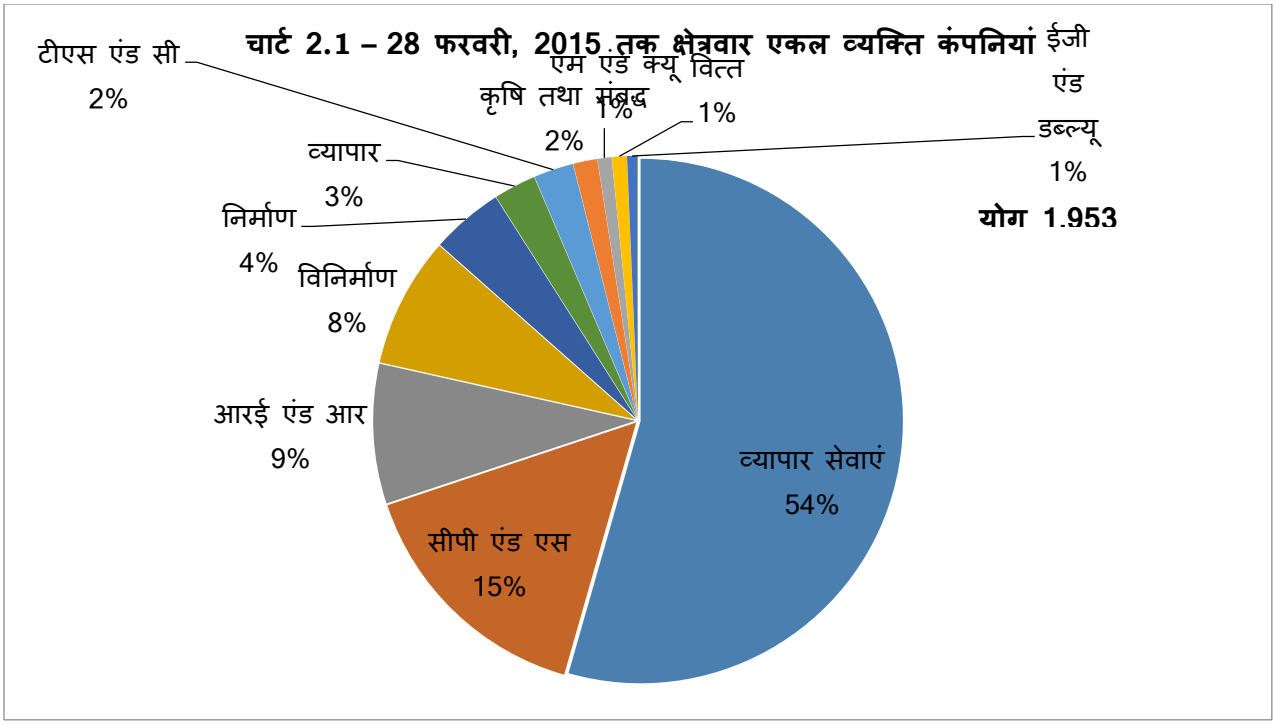

एम एंड क्यू - खनन एवं उत्खनन, ईजी एंड डब्ल्यू - विद्युत, गैस और पानी, टीएस एंडी सी - परिवहन, भंडारण एवं संचार, सीपी एंड एस - समुदाय, वैयक्तिक एवं सामाजिक सेवाएं, 'आरईएंडआर' - स्थावर संपदा और किराया।

III <u>नई कंपनियों और एलएलपी के पंजीकरण की प्रवृत्ति</u>

7. जनवरी, 2013 से फरवरी, 2015 तक नई कंपनियों के पंजीकरण का विश्लेषण दर्शाता है कि प्रति माह कंपनियों का पंजीकरण बढ़ा है जो अप्रैल, 2014 में न्यूनतम 765 था **(चार्ट 3.1)**। हालांकि फरवरी, 2014 में पंजीकृत 7,513 कंपनियों की तुलना में फरवरी, 2015 में 6,138 कंपनियां पंजीकृत की गईं। पूर्व माह के दौरान फरवरी, 2015 में कंपनियों के पंजीकरण में थोड़ी गिरावट देखी गई है। पिछले कुछ माह में एलएलपी के पंजीकरण में भी वृद्धि देखी गई जिसमें फरवरी, 2015 में सर्वाधिक 1,761 कंपनियां पंजीकृत की गईं **(तालिका 3.1)।** अप्रैल, 2014 से नई कंपनियों के साथ-साथ एलएलपी के पंजीकरण में वृद्धि हुई हालांकि अक्टूबर, 2014 में इनकी संख्या में गिरावट देखी गई।

चार्ट 3.1 – कंपनियों और एलएलपी के पंजीकरण की प्रवृत्ति

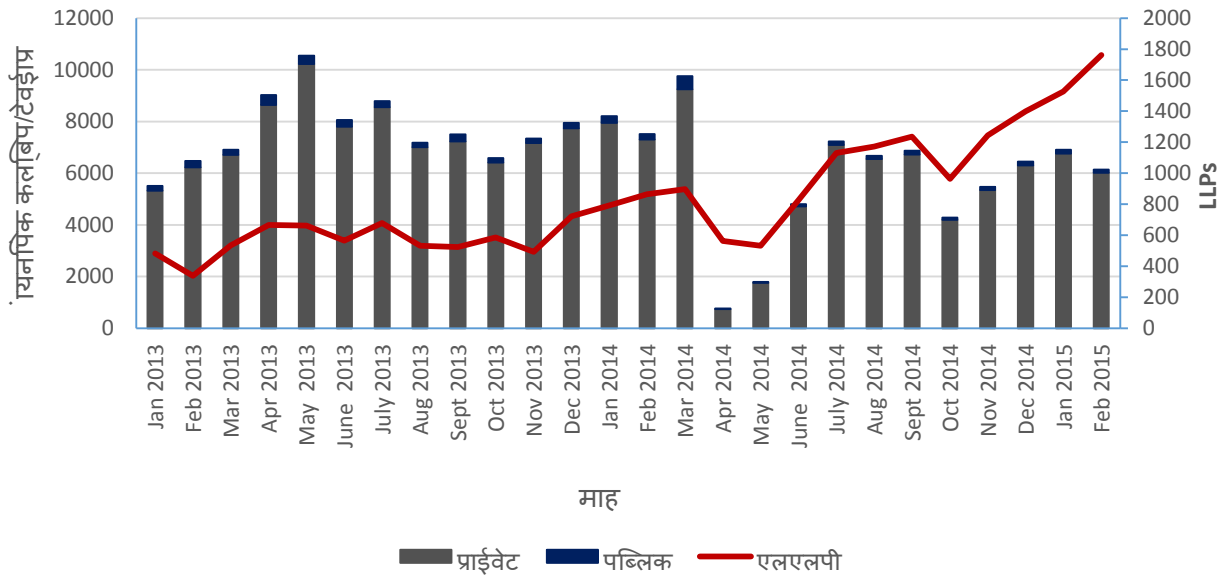

IV <u>फरवरी, 2015 के दौरान नई कंपनियों का पंजीकरण</u>

8. फरवरी, 2015 के दौरान 4,037.04 करोड़ रूपए की सामूहिक प्राधिकृत पूंजी के साथ कुल 6,138 कंपनियां पंजीकृत की गईं। इनमें से 6,115 कंपनियां 4,030.95 करोड़ रूपए की प्राधिकृत पूंजी के साथ शेयरों द्वारा सीमित कंपनियां थीं; 21 कंपनियां 8.00 लाख रूपए की प्राधिकृत पूंजी के साथ गारंटी द्वारा सीमित कंपनियां थीं और 2 कंपनियां 6.01 लाख रूपए की पूंजी के साथ असीमित कंपनियों के रूप में पंजीकृत की गईं **(तालिका4.1)**।

9. फरवरी, 2015 के दौरान कंपनियों का आर्थिक कार्यकलापवार वर्गीकरण **(तालिका 4.2 और चार्ट 4.1)**। दर्शाता है कि सर्वाधिक कंपनियां व्यापार सेवा (2,767) में थीं और विनिर्माण (842), व्यवसाय (577), निर्माण (556) और समुदाय, वैयक्तिक एवं सामाजिक सेवाएं (379) थीं।

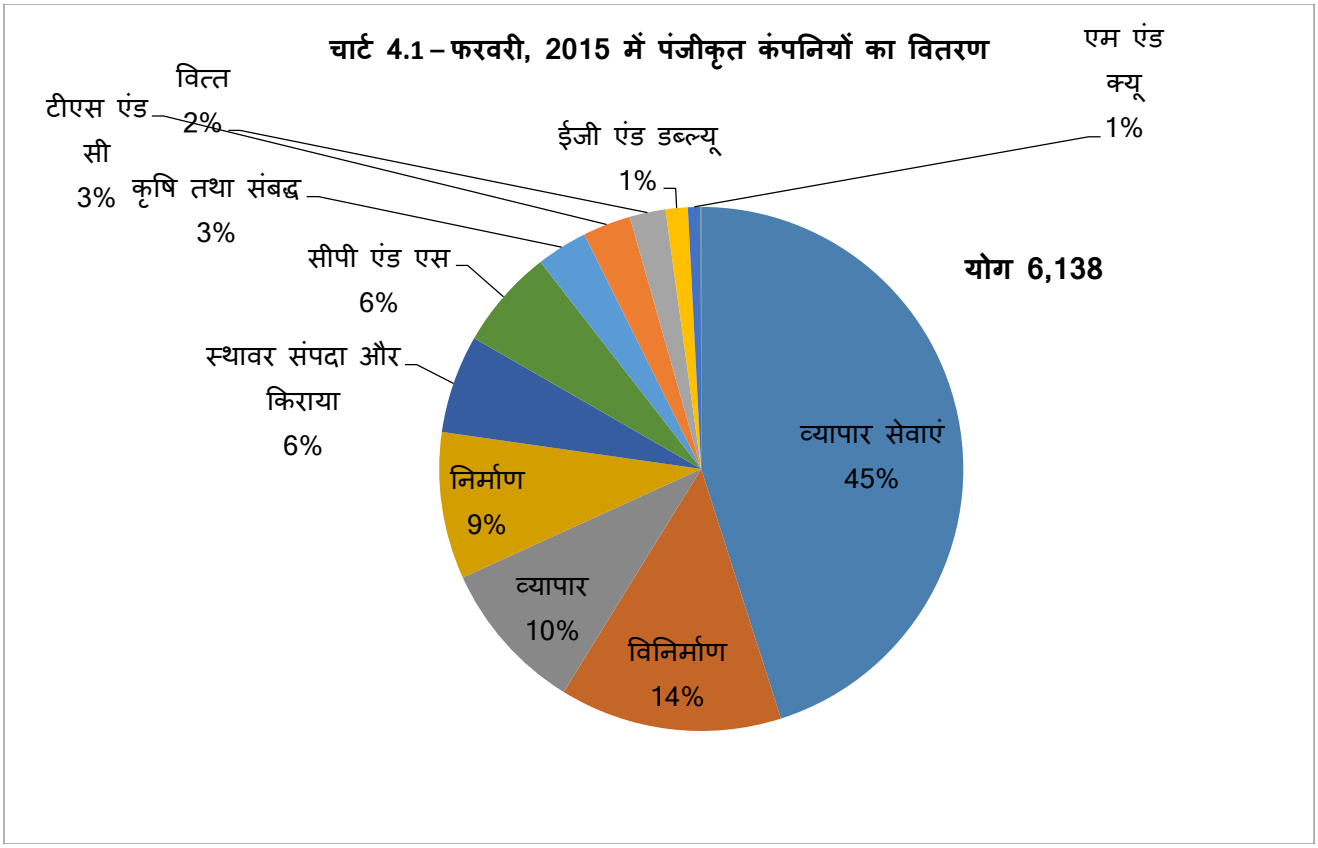

'एमएंडक्यू' से खनन और उत्खनन, 'ईजीएंडडब्ल्यू' से विद्युत, गैस और जल, 'टीएस एंड सी' से परिवहन, भंडारण और संचार तथा 'सीपी एंड एस' से समुदाय, व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं अभिप्रेत हैं।

10. फरवरी, 2015 के दौरान दिल्ली में 1,175 कंपनियां (19.14%), महाराष्ट्र में 1,001 (16.31%) और उत्तर प्रदेश में 640 (10.43%) कंपनियां पंजीकृत हुई **(तालिका 4.3)**।

V. <u>सीमित देयता भागीदारियां (एलएलपी) और विदेशी कंपनियां</u>

11. 28 फरवरी, 2015 की स्थिति के अनुसार देश में कुल 34,132 एलएलपी पंजीकृत थी और उनमें से 33,722 सक्रिय थी। लगभग 82.35% सक्रिय सीमित देयता भागीदारियों (27,769) में से प्रत्येक पर पांच लाख रूपए या उसके बराबर अंशदान की देयता थी; और मात्र 3.03% सीमित देयता भागीदारियों (1023) मे से प्रत्येक पर एक करोड़ रुपए से अधिक के अंशदान की देयता थी (**तालिका 5.1 और चार्ट 5.1**)।

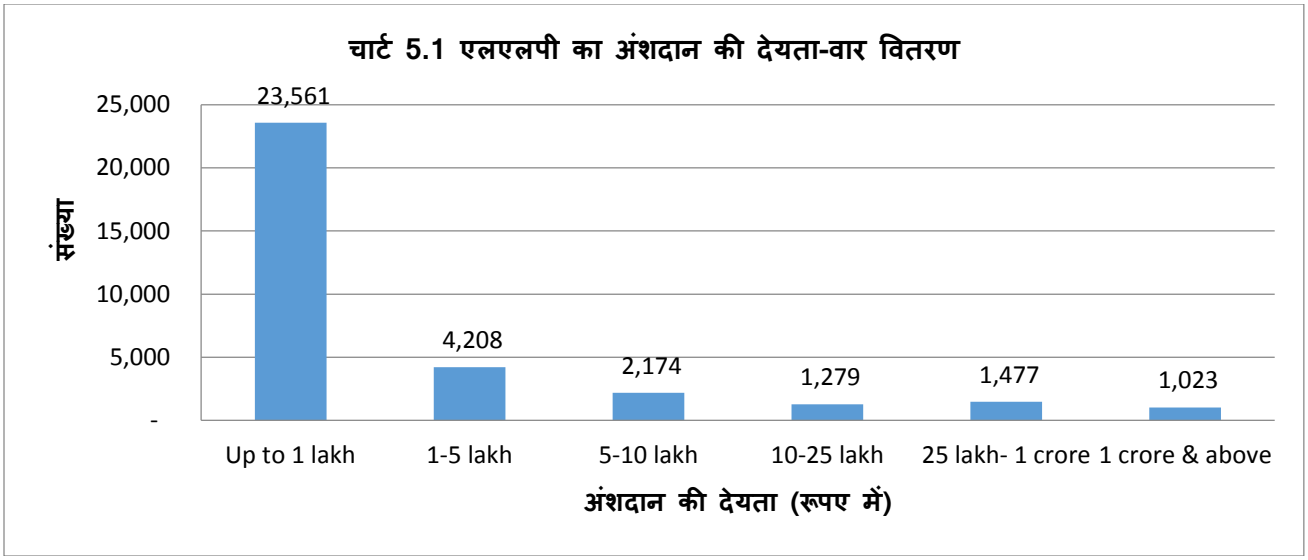

12. 28 फरवी, 2015 को सक्रिय एलएलपी के मुख्य आर्थिक क्षेत्र-वार वर्गीकरण से यह स्पष्ट होता है कि सेवा क्षेत्र में सर्वाधिक 25,311 एलएलपी हैं, जिसके बाद उद्योग और कृषि क्षेत्र में क्रमश: 7786 और 623 एलएलपी हैं। 28 फरवरी, 2015 की स्थिति के अनुसार सक्रिय एलएलपी के आर्थिक कार्यकलाप-वार वर्गीकरण से यह स्पष्ट होता है कि व्यवसाय सेवा क्षेत्र में बड़ी संख्या में एलएलपी हैं (13,297) जिसके बाद स्थावर संपदा और किराया (4119), निर्माण (3934) और व्यापार (3,700) आता है (**तालिका 5.2 और चार्ट 5.2**)।

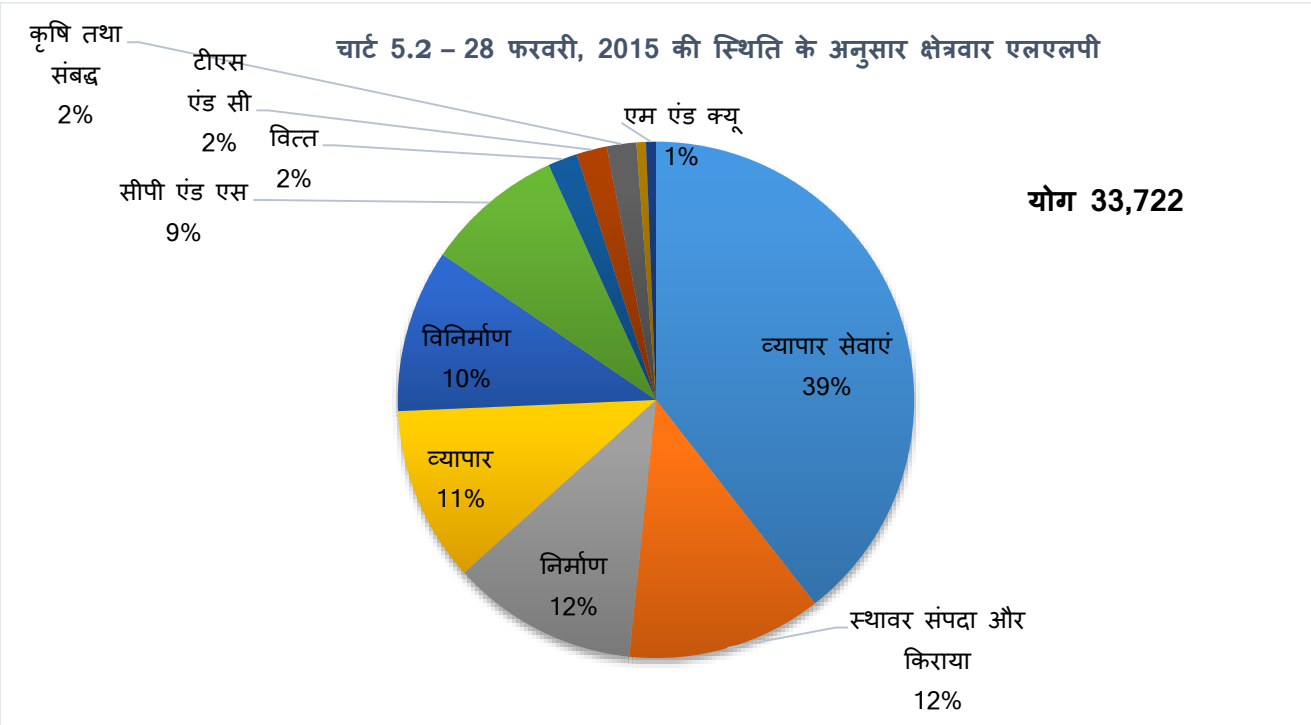

'टीएस एंड सी' से परिवहन, भंडारण और संचार तथा 'सीपी एंड एस' से समुदाय, व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं अभिप्रेत हैं।

13. फरवरी, 2015 के दौरान कुल 1,761 सीमित देयता भागिदारियां (एलएलपी) पंजीकृत हुई जिनकी कुल अंशदान देयता 271.74 करोड़ रुपए थी। इस माह के दौरान सीमित देयता भागिदारियों के आर्थिक कार्यकलाप-वार वर्गीकरण से यह स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक 682 एलएलपी व्यावसायिक सेवाओं में थी जिसके पश्चात् स्थावर संपदा और किराये में 227 और व्यापार में 216 एलएलपी थी (**तालिका 5.3 और चार्ट 5.3**)। फरवरी, 2015 के महीने में सर्वाधिक 571 एलएलपी महाराष्ट्र में (32.42%) पंजीकृत हुई जिसके पश्चात् दिल्ली में 308 (17.49%) एलएलपी पंजीकृत हुई **(तालिका 6.1)**।

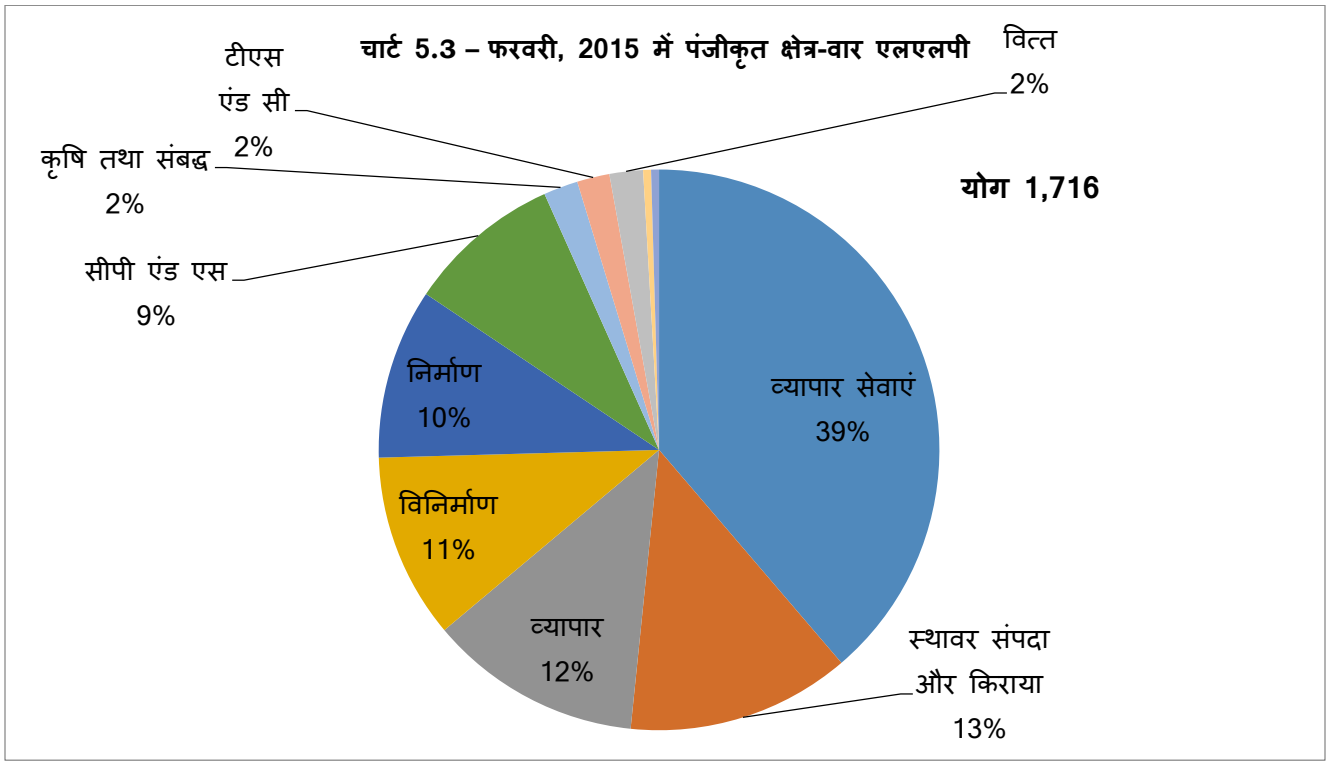

'एमएंडक्यू' से खनन और उत्खनन, 'टीएस एंड सी' से परिवहन, भंडारण और संचार तथा 'सीपी एंड एस' से समुदाय, व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं अभिप्रेत हैं।

विदेशी कंपनियां

14. 28 फरवरी, 2015 की स्थिति के अनुसार, कुल 3,309 विदेशी कंपनियां भारत में व्यवसाय कर रही थीं। फरवरी, 2015 के महीने में 18 विदेशी कंपनियां भारत में पंजीकृत हुई जिनमें दिल्ली और कर्नाटक में 4-4, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में 3-3, राजस्थान में 2 और गुजरात तथा उत्तर प्रदेश में 1-1 विदेशी कंपनियां पंजीकृत हुईं। इन 18 विदेशी कंपनियों में से 10 व्यवसाय सेवाओं, निर्माण में 7 और शेष एक खनन एवं उत्खनन में पंजीकृत हुई।

*****

तालिका 1.1 28 फरवरी, 2015 की स्थिति के अनसार भारत में कंपनियों का सार विवरण		
1	**28 फरवरी, 2015 की स्थिति के अनसार पंजीकत कंपनियां**	**1,452,243**
2	बंद कंपनियों की संख्या	266,401
i	*परिसमापित/विघटित कंपनियों की संख्या*	10,264
ii	*निष्क्रिय/नाम हटाए गए (धारा 560) कंपनियों की संख्या*	237,668
iii	*आमेलित/विलय की गई कंपनियो की संख्या*	15,238
iv	*एलएलपी में संपरिवर्तित कंपनियों की संख्या*	3,231
3	कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 455 के अधीन निष्क्रिय कंपनियों की संख्या	151
4	लगातार तीन वर्षों के लिए सांविधिक वार्षिक फाइलिंग नहीं करने वाली कंपनियों की	139,507
5	परिसमापनाधीन कंपनियों की संख्या	5,276
6	कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 560 की प्रक्रिया के अधीन कंपनियों की संख्या	23,148
7	एआईपीजी (प्रगति में सक्रिय) रहने वाली कंपनियों की संख्या	184
	सक्रिय कंपनियों की संख्या	**1,017,576**

नोट: 1. एआईपीजी - (प्रगति में सक्रिय) - निष्क्रिय कंपनी को मंत्रालय द्वारा लंबित वार्षिक फाइलिंग दर्ज करने हेतु 21 दिन का समय दिया जाता है। इस अवधि के दौरान कंपनी की स्थिति प्रगति में सक्रिय रहती है।

2. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 के अधीन कंपनी रजिस्ट्रार को निष्क्रिय कंपनियों का नाम कंपनियों के रजिस्टर से हटाने का अधिकार है। यह प्रक्रिया कंपनियों के परिसमापन से (अधिकरण द्वारा या स्वैच्छिक रूप से) अलग है।

तालिका 1.2 - 28 फरवरी, 2015 की स्थिति के अनुसार प्राधिकृत पूंजी-वार सक्रिय कंपनियां

क्रम संख्या	प्राधिकृत पूंजी रेंज	निजी		सार्वजनिक		योग	
		संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी
1	एक लाख रुपए तक	344,747	3,405.55	1,590	1.29	346,337	3,406.84
2	1 लाख रुपए से अधिक और	187,626	7,921.39	9,471	471.82	197,097	8,393.20
3	5 लाख रुपए से अधिक और	119,012	11,628.39	5,823	554.95	124,835	12,183.34
4	10 लाख रुपए से अधिक और	86,628	17,969.02	5,205	1,138.47	91,833	19,107.50
5	25 लाख रुपए से अधिक और	70,368	30,442.31	5,248	2,391.32	75,616	32,833.64
6	50 लाख रुपए से अधिक और	58,664	52,142.69	7,714	7,262.83	66,378	59,405.53
7	1 करोड़ रुपए से अधिक और	33,751	55,978.11	5,188	8,911.71	38,939	64,889.83
8	2 करोड़ रुपए से अधिक और	30,667	111,346.21	8,283	32,688.99	38,950	144,035.19
9	5 करोड़ रुपए से अधिक और	10,137	79,772.04	5,795	46,192.70	15,932	125,964.74
10	10 करोड़ रुपए से अधिक और	6,277	104,159.79	4,919	84,186.03	11,196	188,345.81
11	25 करोड़ रुपए से अधिक	3,646	180,696.64	3,533	184,319.56	7,179	365,016.20
12	100 करोड़ रुपए से अधिक	1,115	237,041.55	1,203	260,514.00	2,318	497,555.55
13	500 करोड़ रुपए से अधिक	129	98,360.89	233	183,841.81	362	282,202.70
14	1000 करोड़ रुपए से अधिक	125	485,474.71	479	2,142,420.86	604	2,627,895.57
	योग	**952,892**	**1,476,339.28**	**64,684**	**2,954,896.34**	**1,017,576**	**4,431,235.62**

तालिका 1.3: 28 फरवरी, 2015 तक पंजीकृत कंपनियों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र- वार स्थिति									
क्र.सं	**राज्य**	**पंजीकृत**	**बंद की गई**	**तीन वर्षों से**	**निष्क्रिय**	**परिसमापनाधी**	**बंद करने की**	**एआईपीजी**	**सक्रिय**
1	अंडमान और निकोबार	250	5	46	-	-	-	2	197
2	आध्र प्रदेश	21,069	2,146	5,393	-	52	208	5	13,265
3	अरूणाचल प्रदेश	489	234	8	-	2	61	1	183
4	असम	9,234	2,722	174	-	14	1,247	-	5,077
5	बिहार	19,503	2,369	1,211	3	42	3,374	4	12,500
6	चंडीगढ़	12,631	3,942	1,104	-	68	76	-	7,441
7	छत्तीसगढ़	7,487	1,048	243	-	1	14	2	6,179
8	दादर और नगर हवेली	444	42	52	-	-	8	-	342
9	दमन और दीव	311	59	22	1	2	35	-	192
10	दिल्ली	271,185	44,600	28,212	51	683	1,081	22	196,536
11	गोवा	7,333	1,414	442	-	11	629	1	4,836
12	गुजरात	80,857	14,255	10,856	4	570	2,787	3	52,382
13	हरियाणा	25,805	2,543	2,172	4	28	90	2	20,966
14	हिमाचल प्रदेश	4,696	1,111	413	-	20	126	-	3,026
15	जम्मू एवं कश्मीर	3,963	609	979	-	15	68	-	2,292
16	झारखंड	8,851	1,049	614	-	12	802	1	6,373
17	कर्नाटक	78,033	15,380	7,896	7	495	901	7	53,347
18	केरल	37,706	10,311	2,212	22	295	184	6	24,676
19	लक्षद्वीप	12	-	2	-	-	-	-	10
20	मध्य प्रदेश	29,650	7,385	1,337	2	65	183	2	20,676
21	महाराष्ट्र	293,407	41,341	33,942	17	1,268	2,239	72	214,528
22	मणिपुर	391	153	17	-	-	36	1	184
23	मेघालय	936	320	13	-	2	70	-	531
24	मिजोरम	96	53	7	-	-	7	-	29
25	नागलैंड	475	262	25	-	1	36	-	151
26	उड़ीसा	18,290	5,551	567	2	64	216	-	11,890
27	पुडूचेरी	2,735	1,148	229	-	8	4	-	1,346
28	पंजाब	26,102	8,501	2,018	3	113	149	-	15,318
29	राजस्थान	45,654	7,361	1,391	2	70	2,195	4	34,631
30	सिक्किम	-	-	-	-	-	-	-	- -
31	तमिलनाडु	113,902	27,731	15,420	10	271	1,755	27	68,688
32	तेलंगाना	76,573	6,909	17,222	1	222	865	16	51,338
33	त्रिपुरा	331	81	5	-	-	39	-	206
34	उत्तर प्रदेश	64,585	11,397	4,374	6	214	1,040	5	47,549
35	उत्तराखंड	4,627	740	82	-	14	269	-	3,522
36	पश्चिम बंगाल	184,630	43,629	807	16	654	2,354	1	137,169
	कुल	**1,452,243**	**266,401**	**139,507**	**151**	**5,276**	**23,148**	**184**	**1,017,576**

नोट:

1. एआईपीजी (प्रक्रिया में सक्रिय)-मंत्रालय द्वारा एक निष्क्रिय कंपनी को अपनी लंबित वार्षिक फाइलिंग करने के लिए 21 दिन की अवधि दी जाती है। इस अवधि के दौरान कंपनी का स्तर प्रक्रिया में सक्रिय होता है।
2. सिक्किम कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत नहीं आता है।

तालिका 1.4: दिनांक 28 फरवरी, 2015 तक आर्थिक गतिविधि वार सक्रिय कंपनियां							
क्र.सं.	आर्थिक गातिविधि	निजी		सार्वजनिक		कुल	
		संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी
I	**कृषि और संबद्ध**	**23,327**	**16,008.42**	**2,861**	**32,893.16**	**26,188**	**48,901.57**
II	**उद्योग**	**320746**	**249,025.05**	**25,736**	**1,656,675.45**	**346,482**	**2,373,000.87**
1	*विनिर्माण*	196,852	393,662.77	17,844	634,124.20	214,696	1,027,786.97
2	*निर्माण कार्य*	101,205	180,272.53	5,396	221,234.77	106,601	401,507.30
3	*बिजली, गैस और*	11587	113,585.19	1,749	744,245.51	13,336	857,830.71
4	*खनन और उत्खनन*	11,102	28,804.93	747	57,070.98	11,849	85,875.90
III	**सेवाएं**	**586883**	**711,672.60**	**33,970**	**1,100,830.06**	**620,853**	**1,812,502.66**
1	*व्यापार सेवाएं*	242,033	249,025.05	9,978	387,221.66	252,011	636,246.71
2	*व्यवसायिक*	144,186	137,318.75	6,252	106,600.02	150,438	243,918.77
	रीयल एस्टेट और	70,287	62,105.53	3,903	31,861.50	74,190	93,967.04
4	सामुदायिक, निजी	59,490	62,397.46	3,857	117,375.39	63,347	179,772.86
5	*वित्त*	39,439	154,028.53	8,386	228,154.12	47,825	382,182.65
6	*परिवहन, संचयन*	30,821	44,407.03	1,458	189,204.89	32,279	233,611.91
7	*बीमा*	627	2,390.24	136	40,412.48	763	42,802.72
IV		**21,936**	**32,332.84**	**2,117**	**164,497.67**	**24,053**	**196,830.51**
	कुल	**952,892**	**1,009,038.91**	**64,684**	**2,954,896.34**	**1,017,576**	**4,431,235.62**

अवैध आर्थिक गतिविधि (एनआईसी-2004) कोड वाली कंपनियों को अवर्गीकृत श्रेणी में रखा गया है।

तालिका 2.1: आर्थिक कार्यकलाप-वार एकल व्यक्ति कंपनी					
क्र.सं.	आर्थिक गातिविधि	28.02.2015 तक		जनवरी, 2015 के दौरान	
		संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी
I	**कृषि और संबद्ध गतिविधियां**	**29**	**98.00**	**6**	**7.00**
II	**उदयोग**	**273**	**821.00**	**36**	**166.00**
1	*विनिर्माण*	157	450.00	20	83.00
2	*निर्माण*	87	292.00	16	83.00
3	*बिजली, गैस और जल कंपनियां*	12	34.00	0	0.00
4	*खनन और उत्खनन*	17	45.00	0	0.00
III	**सेवाएं**	**1,650**	**3,553.50**	**201**	**456.50**
1	*व्यापार सेवाएं*	1,063	2,186.00	122	297.00
2	*व्यवसायिक*	51	110.00	12	25.00
3	*रीयल एस्टेट और किराया*	168	400.00	8	26.50
4	सामुदायिक, निजी और सामाजिक सेवाएं	302	642.00	55	104.00
5	*वित्त*	18	74.00	1	1.00
6	*परिवहन, संचयन और संचार*	48	141.50	3	3.00
IV	**अन्य**	**1**	**10.00**	**-**	**-**
	कुल	**1,953**	**4,482.50**	**243**	**629.50**

तालिका **3.1:** इन महीनों के दौरान पंजीकृत कंपनियों और सीमित देयता भागीदारियों की संख्या				
माह	सार्वजनिक कंपनियां	निजी कंपनियां	कुल कंपनी	सीमित देयता भागीदारी
जनवरी 2013	182	5,326	5,508	483
फरवरी 2013	243	6,229	6,472	337
मार्च 2013	202	6,708	6,910	535
अप्रैल 2013	383	8,643	9,026	666
मई 2013	324	10,222	10,546	662
जून 2013	260	7,804	8,064	565
जुलाई 2013	230	8,554	8,784	679
अगस्त 2013	171	7,010	7,181	531
सितंबर 2013	271	7,227	7,498	524
अक्तूबर 2013	175	6,410	6,585	586
नवंबर 2013	169	7,166	7,335	493
दिसंबर 2013	204	7,740	7,944	722
जनवरी 2014	256	7,950	8,206	792
फरवरी 2014	213	7,300	7,513	865
मार्च 2014	508	9,247	9,755	897
अप्रैल 2014	27	738	765	562
मई 2014	29	1,760	1,789	531
जून 2014	89	4,712	4,801	825
जुलाई 2014	139	7,090	7,229	1,131
अगस्त 2014	130	6,546	6,676	1,171
सितंबर 2014	139	6,725	6,864	1,235
अक्तूबर 2014	89	4,194	4,283	963
नवंबर 2014	125	5,346	5,471	1,244
दिसंबर 2014	150	6,296	6,446	1,399
जनवरी 2015	144	6,758	6,902	1,526
फरवरी 2015	129	6,009	6,138	1,761

तालिका 4.1: फरवरी, 2015 के दौरान नई कंपनियों का पंजीकरण			
क्र.सं.	श्रेणी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी (लाख रूपए में)
1	**शेयरों द्वारा सीमित कंपनी**	**6,115**	**403,095.34**
i	*निजी*	5,991	75,913.34
ii	*सार्वजनिक*	124	327,182.00
2	**गारंटी द्वारा सीमित कंपनी**	**21**	**8.00**
i	*निजी*	16	8.00
ii	*सार्वजनिक*	5	0.00
3	**असीमित कंपनी**	**2**	**601.00**
i	*निजी*	2	601.00
ii	*सार्वजनिक*	0	0.00
	कुल	**6,138**	**403,704.34**

तालिका 4.2: फरवरी, 2015 के दौरान गतिविधि -वार नई कंपनियों का पंजीकरण							
क्र.सं.	आर्थिक गतिविधि	निजी		सार्वजनिक		कुल	
		संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी
I	**कृषि और संबद्ध**	**189**	**1,951.00**	**4**	**170.00**	**193**	**2,121.00**
II	**उद्योग**	**1,499**	**25,428.27**	**31**	**24,980.00**	**1,530**	**50,408.27**
	विनिर्माण	829	18,401.57	13	23,300.00	842	41,701.57
	निर्माण	545	4,599.70	11	155.00	556	4,754.70
	बिजली, गैस और	80	1,525.00	4	1,510.00	84	3,035.00
	खनन और उत्खनन	45	902.00	3	15.00	48	917.00
III	**सेवाएं**	**4,321**	**49,143.07**	**94**	**302,032.00**	**4,415**	**351,175.07**
	व्यापार सेवाएं	2,730	33,582.87	37	710.00	2,767	34,292.87
	व्यवसाय	569	4,906.50	8	170.00	577	5,076.50
	सामुदायिक, निजी	370	1,716.50	9	75.00	379	1,791.50
	रीयल एस्टेट और	361	4,198.80	11	550.00	372	4,748.80
	परिवहन, संचयन और	181	2,183.50	1	300,000.00	182	302,183.50
	वित्त	108	2,503.90	28	527.00	136	3,030.90
	बीमा	2	51.00	-	-	2	51.00
	कुल	**6,009**	**76,522.34**	**129**	**327,182.00**	**6,138**	**403,704.34**

तालिका 4.3: फरवरी, 2015 के दौरान कंपनियों का राज्य/संघ शासनवार पंजीकरण

(प्राधिकृत पूंजी लाख रूपए में)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	निजी		सार्वजनिक		कुल	
		संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी
1	अंडमान और निकोबार द्वीप	7	95.00	-	-	7	95.00
2	आंध्र प्रदेश	148	2,010.50	1	10.00	149	2,020.50
3	असम	26	475.00	-	-	26	475.00
4	बिहार	163	1,383.80	2	35.00	165	1,418.80
5	चंडीगढ़	36	99.00	-	-	36	99.00
6	छत्तीगढ़	18	189.00	-	-	18	189.00
7	दादरा और नगर हवेली	1	1.00	-	-	1	1.00
8	दमन और दीव	2	121.00	-	-	2	121.00
9	दिल्ली	1,156	6,132.85	19	10,805.00	1,175	16,937.85
10	गोवा	14	54.00	-	-	14	54.00
11	गुजरात	325	17,620.42	9	80.00	334	17,700.42
12	हरियाणा	277	2,282.50	1	5.00	278	2,287.50
13	हिमाचल प्रदेश	21	104.00	-	-	21	104.00
14	जम्मू एवं कश्मीर	15	89.00	1	5.00	16	94.00
15	झारखंड	79	582.00	-	-	79	582.00
16	कर्नाटक	444	6,043.72	3	15.00	447	6,058.72
17	केरल	160	1,740.00	4	60.00	164	1,800.00
18	मध्य प्रदेश	112	2,105.00	5	25.00	117	2,130.00
19	महाराष्ट्र	987	11,310.30	14	313,155.00	1,001	324,465.30
20	मणिपुर	4	545.00	-	-	4	545.00
21	मेघालय	4	26.00	-	-	4	26.00
22	उड़ीसा	76	755.00	-	-	76	755.00
23	पुडूचेरी	3	5.00	-	-	3	5.00
24	पंजाब	64	400.00	3	110.00	67	510.00
25	राजस्थान	141	666.50	1	5.00	142	671.50
26	तमिलनाडु	442	4,973.00	8	95.00	450	5,068.00
27	तेलंगाना	353	7,918.15	6	810.00	359	8,728.15
28	त्रिपुरा	1	1.00	-	-	1	1.00
29	उत्तर प्रदेश	603	5,123.10	37	1,897.00	640	7,020.10
30	उत्तराखंड	39	127.00	1	-	40	127.00
31	पश्चिम बंगाल	288	3,544.50	14	70.00	302	3,614.50
	कुल	**6,009**	**76,522.34**	**129**	**327,182.00**	**6,138**	**403,704.34**

तालिका 5.1: 28 फरवरी, 2015 तक योगदान की बाध्यता वार सक्रिय सीमित देयता भागीदारियां			
क्र.सं.	योगदान सीमा की बाध्यता	संख्या	योगदान की बाध्यता (लाख रूपए में)
1	1 लाख तक	23,561	18,458.98
2	1 लाख से अधिक और 5 लाख तक	4,208	14,436.86
3	5 लाख से अधिक और 10 लाख तक	2,174	20,201.12
4	10 लाख से अधिक और 25 लाख तक	1,279	23,742.40
5	25 लाख से अधिक और 50 लाख तक	799	32,559.44
6	50 लाख से अधिक और 1 करोड़ तक	678	58,799.14
7	1 करोड़ से अधिक और 2 करोड़ तक	313	48,421.33
8	2 करोड़ से अधिक और 5 करोड़ तक	355	122,408.97
9	5 करोड़ से अधिक और 10 करोड़ तक	154	120,553.38
10	10 करोड़ से अधिक और 25 करोड़ तक	98	164,246.99
11	25 करोड़ से अधिक और 100 करोड़ तक	91	481,771.61
12	100 करोड़ से अधिक	12	272,898.12
	कुल	**33,722**	**1,378,498.34**

तालिका 5.2: दिनांक 28 फरवरी, 2015 तक आर्थिक गतिविधि-वार सक्रिय सीमित देयता भागीदारियां			
क्रम सं.	आर्थिक गतिविधि	संख्या	योगदान की बाध्यता (लाख रूपए में)
I	**कृषि और संबद्ध गतिविधि**	**623**	**22,115.73**
II	**उद्योग**	**7,786**	**519,590.10**
1	*उत्पादन*	3,442	149,809.97
2	*निर्माण कार्य*	3,934	209,642.53
3	*बिजली, गैस और जल कंपनियां*	201	149,782.18
4	*खनन और उत्खनन*	209	10,355.43
III	**सेवाएं**	**25,311**	**836,780.50**
1	*व्यापार सेवाएं*	13,297	249,313.92
2	*व्यवसायिक*	3,700	236,726.80
3	*रीयल एस्टेट और किराया*	4,119	201,249.87
4	सामुदायिक, निजी और सामाजिक सेवाएं	2,921	65,397.52
5	*वित्त*	624	77,437.10
6	*परिवहन, संचयन और संचार*	642	6,587.78
7	*बीमा*	8	67.50
IV	**अवर्गीकृत**	**2**	**12.00**
	कुल	**33,722**	**1,378,498.34**

टिप्पण- योगदान की बाध्यता में मूर्त एवं अमूर्त संपत्तियां अथवा सीमित देयता भागीदारी के पार्टनरों द्वार लाए गए अन्य लाभ भी शामिल है।

तालिका 5.3: फरवरी, 2015 के दौरान पंजीकृत आर्थिक गतिविधि-वार सीमित देयता भागीदारियां			
क्र.सं.	**आर्थिक गतिविधि**	**संख्या**	**योगदान की बाध्यता (लाख रूपए में)**
I	**कृषि और संबद्ध गतिविधियां**	**35**	**131.35**
II	**उद्योग**	**377**	**8,461.04**
1	*उत्पादन*	188	4,511.35
2	*निर्माण कार्य*	173	3,922.49
3	*बिजली, गैस और जल कंपनियां*	8	6.20
4	*खनन और उत्खनन*	8	21.00
III	**सेवाएं**	**1,349**	**18,581.40**
1	*व्यापार सेवाएं*	682	6,676.79
2	*व्यवसायिक*	216	1,808.71
3	*रीयल एस्टेट और किराया*	227	8,558.57
4	सामुदायिक, निजी और सामाजिक सेवाएं	157	1,026.28
5	*वित्त*	34	314.73
6	*परिवहन, संचयन और संचार*	33	196.33
	कुल	**1,761**	**27,173.79**

टिप्पण- योगदान की बाध्यता में मूर्त एवं अमूर्त संपत्तियां अथवा सीमित देयता भागीदारी के पार्टनरों द्वार लाए गए अन्य लाभ भी शामिल है।

.

तालिका 6.1: फरवरी, 2015 के दौरान पंजीकृत राज्य/संघ शासित वार,ओपीसी, सीमित देयता भागीदारी एवं विदेशी कंपनियां			
राज्य/संघ शासित प्रदेश	**ओपीसी**	**सीमित देयता भागीदारी**	**विदेशी कंपनियां**
अंडमान और निकोबार द्वीप	-	1	-
आंध्र प्रदेश	3	14	-
अरूणाचल प्रदेश	-	-	-
असम	-	4	-
बिहार	4	9	-
चंडीगढ़	1	3	-
छत्तीगढ़	2	-	-
दादरा और नगर हवेली	-	1	-
दमन और दीव	-	1	-
दिल्ली	46	308	4
गोवा	-	10	-
गुजरात	2	111	1
हरियाणा	10	63	-
हिमाचल प्रदेश	2	-	-
जम्मू एवं कश्मीर	2	2	-
झारखंड	8	7	-
कर्नाटक	24	108	4
केरल	-	52	-
लक्ष्यदीप	-	-	-
मध्य प्रदेश	2	28	3
महाराष्ट्र	42	571	3
मणिपुर	-	-	-
मेघालय	-	-	-
मिजोरम	-	-	-
नागालैंड	-	-	-
उड़ीसा	5	4	-
पुडूचेरी	1	1	-
पंजाब	5	14	-
राजस्थान	7	58	2
सिक्किम	-	-	-
तमिलनाडु	23	68	-
तेलंगाना	12	42	-
त्रिपुरा	-	-	-
उत्तर प्रदेश	33	97	1
उत्तराखंड	1	7	-
पश्चिम बंगाल	8	177	-
कुल	**243**	**1,761**	**18**